

FORM NO- III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

जज अदालत ..... उपखंड अधिकारी ..... मुकाम ..... बयाना .....  
 सिधो चन्व ..... बयाना ..... किसिम मुकदमा .....  
 दाया ..... 53,100 ..... राज.टी.एक्ट ..... नं. .... सन ..... 1581/23

तारीख हुक्म ..... हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज ..... नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

14/10/23 हावा दर्ज रजिस्टर हो। प्रतिवादीगण को जरिए समन तलब कर पत्रावली दिनांक ..... 6/10/23 को पेश हो।

6/10/23  
 पीठासीन अधिकारी कार्य में .....  
 पत्रावली पूर्वामुसाम दिनांक .....  
 एस.डी.ओ./एस.डी.एम. बयाना

31/01/24 प्रमाण पत्र हुआ। प्र. वी. उपाधिकारी नसीब गीतु खिरा। नसीब Pootar नदी दुई ही का; प्रमाणिकीगण की नसीब - हेतु नसीबाना प्रेम हो। प्रमाणिकी 24/6/24 को पेश हो।

20/8/24 पत्र उपाधिकारी प्रमाणिकीगण की नसीब हेतु नसीबाना प्रेम नदी प्रेम 10/15/24 को प्रेम करे। प्रमाणिकी वान्त नसीब दिनांक 23/1/24 को प्रेम हो।

23/9/24  
 प्रमाणिकी कार्य में  
 पीठासीन अधिकारी .....  
 पत्रावली पूर्वामुसाम दिनांक ..... को पेश हो  
 रीडर  
 एस.डी.एम.

5/12  
25

150 वाकी उप०। एसी आदिभंगकी पापना  
नही अब पापना सब सुगोपित है।  
सब (पत्र) 19/12/25 को प्रेम ही प्रेम

19/2  
25

150 वाकी उप०। प्रमूला के पापना  
नही प्रमूला के पापना प्रमूला  
प्रमूला के प्रेम ही प्रेम

273  
25

पीठासीन अधिकारी  
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 27/3/25 को पेश है।  
रीडर  
ओ/एस.डी.एम.

96  
25

पीठासीन अधिकारी  
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 9/8/25 को पेश है।  
रीडर  
ओ/एस.डी.एम.

110  
25

150 वाकी उप०। प्रमूला के पापना प्रमूला  
10/10/25 को प्रेम ही प्रेम

10/10/25

पीठासीन अधिकारी  
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 10/10/25 को पेश है।  
रीडर  
ओ/एस.डी.एम.

30/12/25

प्रकरण का पेशा हुआ प्रकरण में धारी 150 व  
करीब 200। प्रकरण के सम्बन्ध में कार-2 का  
लगावाड़ी का है। आवाज उपरान्त भी कोई उप० नही।  
अतः प्रकरण इसी स्तर पर रुकना चाहिए  
व रुकना पड़ेगी तो इसी स्तर पर खोपि किया जाता है  
पत्रावली के लिये सुगत होना नम्बर से नही हो  
वाक-तकमील वाकिल दफतर हो प्रेम